लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 1-15 फरवरी 2022 www.haryanasamvad.gov.in अंक -35

"
स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस महान भारत के सपने संजोये थे, उनको पूरा करना हर भारतवासी का कर्तव्य है।

: बंडारू दत्तात्रेय

सरस्वती के लिए भागीरथ प्रयास 3

डायरेक्ट मार्केटिंग किसानों की जरूरत 6

कुरुक्षेत्र का श्रीकृष्ण संग्रहालय 8

जन गण मन

विशेष प्रतिनिधि

राष्ट्र के 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेश भर में विशेष समारोह आयोजित किए गए। पंचकूला के सेक्टर 5 स्थित परेड ग्राउंड में राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने ध्वजारोहण तथा परेड की सलामी ली जबकि मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल ने अंबाला के पुलिस लाइन मैदान में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने देश की आजादी के लिये अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस स्वतंत्र, शक्तिशाली व महान भारत के सपने संजोये थे, आजादी के बाद उनको पूरा करना हर भारतवासी का कर्तव्य है। उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रशासनिक व राजनीतिक व्यवस्था होना जरूरी था। इसी व्यवस्था को कायम करने के लिए बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर के नेतृत्व में संविधान की रचना की गई और आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को देश में संविधान लागू हुआ।

उन्होंने कहा कि आज संविधान के अनुरूप देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हरियाणा की जनता व प्रदेश सरकार ने कड़ी मेहनत और सच्ची लगन से प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाया है। प्रदेश की प्रगति के लिए राज्य की जनता व राज्य सरकार बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेशवासियों को सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों से लाभान्वित करने के उद्देश्य से डिजिटल इण्डिया विज़न को आगे बढ़ा रही है। प्रदेश में राज्य में लगभग 20 हजार अटल सेवा केन्द्रों और 117 अंत्योदय एवं सरल केन्द्रों के माध्यम से 41 विभागों की 511 योजनाएं ऑनलाइन की गई हैं। सी.एम. विंडो पोर्टल के माध्यम से 8 लाख 50 हजार शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।

प्रदेश में यह वर्ष 'अंत्योदय उत्थान वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'अंत्योदय' के दर्शन के अनुरूप हरियाणा सरकार ने सबसे गरीब लोगों का जीवन-स्तर ऊंचा उठाने के लिए 'मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना' शुरू की है। इसके अलावा 'हरियाणा कौशल विकास निगम' के तहत रोजगार देने में भी इन परिवारों के युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां 14 फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की जा रही है। कृषि क्षेत्र में दी जा रही सुविधाओं के कारण खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा का देश में दूसरा स्थान है। 2020-21 के रबी और खरीफ फसल का कुल 195 लाख मीट्रिक टन रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन हुआ है। हरियाणा में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 82 और गांवों को 'म्हारा गांव--जगमग गांव योजना' से जोड़ा गया है और इसके साथ ही आज से 5569 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति हो जाएगी।

पांच विभूतियों को 'पद्मश्री'

गणतंत्र दिवस के अवसर पर केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले देश के 128 व्यक्तियों को प्रतिष्ठित पुरस्कार दिए गए जिनमें हरियाणा की पांच विभूतियों को पद्मश्री से नवाजा गया।

इन प्रतिभाओं में पानीपत के नीरज चोपड़ा ने टोक्यो-ओलंपिक में जेवलिन थ्रो प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक व टोक्यो पैरालंपिक में सोनीपत के सुमित आंतिल ने भी जेवलिन थ्रो में देश को स्वर्ण पदक दिलाया है।

सामाजिक कार्यकर्ता ओम प्रकाश गांधी को समाज सेवा के लिए तथा प्रो. राघवेंद्र तंवर को शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए पद्मश्री से नवाजा गया है। इसके अलावा, एम.एल.मदान को विज्ञान और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में पद्मश्री से नवाजा गया है। इन्होंने इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) तकनीक से पशु प्रजनन प्रणाली पर सफलतापूर्वक कार्य किया है।

ज्योति अरोड़ा व पंकज मेहता बने राज्य सूचना आयुक्त

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने ज्योति अरोड़ा व पंकज मेहता को राज्य सूचना आयुक्त के रूप में पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। हरियाणा निवास पर आयोजित समारोह में दोनों नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों ने हिंदी में शपथ ली।

समारोह में सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा, श्रम एवं रोजगार मंत्री अनूप धानक मौजूद रहे। इनके साथ-साथ मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी, एसीएस अमित झा, एसीएस श्री आनंद मोहन शरण , राजा शेखर, प्रधान सचिव जी. अनुपमा, पंकज अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. अमित अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी व शपथ लेने वाले सूचना आयुक्तों के पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे।

हर हाथ को काम देने का संकल्प

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गणतंत्र दिवस के पावन अवसर अपनी महान सांस्कृतिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों पर चलते हुए राष्ट्र और हरियाणा को स्वच्छ, स्वस्थ और खुशहाल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने 2024 तक हर हाथ को काम देकर प्रदेश को बेरोजगारी मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, इस दौरान हमने उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेश में शिक्षा के प्रचार-प्रसार व गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए चालू वित्त वर्ष के दौरान लगभग 19 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर सुविधाएं देने के लिए प्रदेश में 113 नये संस्कृति मॉडल स्कूल खोले गये हैं। हर बीस किलोमीटर दूरी पर कॉलेज खोले जा रहे हैं।

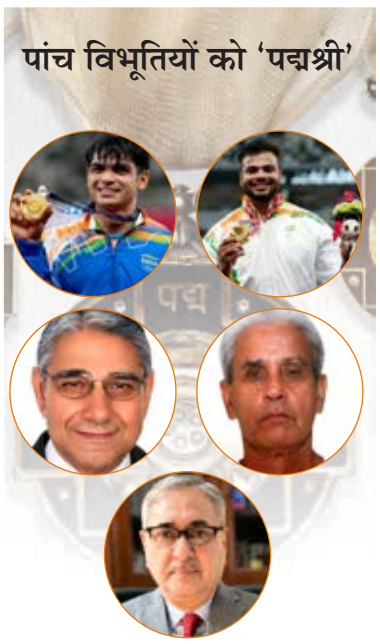

उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी के लिए बार-बार आवेदन करने और परीक्षा देने के झंझट से छुटकारा दिलाने के लिए सरकार ने 'एकल पंजीकरण' और 'कॉमन पात्रता परीक्षा' का प्रावधान किया है। इस समय प्रदेश का लिंगानुपात 1000 लड़कों के पीछे 914 लड़कियों का है, जो वर्ष 2014 में 876 था। उन्होंने कहा कि सरकार महिला कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध एवं संवेदनशील है। किसी भी आपातकालीन स्थिति में मदद के लिए डायल-112 सेवा शुरू की गई है।

हरियाणा 'आयुष्मान भारत योजना' लागू करने वाला भी प्रथम प्रदेश है। इस योजना के तहत प्रदेश के लगभग 15.50 लाख परिवारों को सम्मिलित किया गया है। अब तक 28 लाख से भी अधिक गोल्डन कार्ड जारी करके 3 लाख 25 हजार मरीजों का 363 करोड़ रुपए की लागत से इलाज करवाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों व उनके आश्रितों को पूरा मान-सम्मान दे रही है। इसी उद्देश्य को ध्यान में हुए स्वतंत्रता सेनानियों व उनकी विधवाओं को 25 हजार रुपए मासिक पेंशन देने के साथ-साथ शहीद सैनिकों, अर्ध सैनिकों के परिवारों को दी जाने वाली एक्स-ग्रेसिया राशि 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए की गई है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र की भावना के अनुरूप सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास का मूल मंत्र दिया है। हरियाणा सरकार इसी मूल मंत्र पर चलते हुए प्रत्येक देशवासी की सेवा कर रही है। हरियाणा एक-हरियाणवी एक के भाव से हर क्षेत्र और वर्ग का समान विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति के तहत 5 लाख नई नौकरियों का सृजन करना, 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश जुटाना और निर्यात दोगुना करना लक्ष्य है।

संपादकीय

हरियाणा को इस बार पांच पद्म-सम्मान

गणतंत्र-दिवस की पूर्व संध्या पर घोषित पद्म-सम्मानों में इस बार भी हरियाणा ने अपनी दमक एवं धमक बनाए रखी। सुप्रसिद्ध शिक्षाविद व साहित्य-मनीषी डॉ. राघवेन्द्र तंवर, ओलम्पियन नीरज चोपड़ा, समाजसेवी ओमप्रकाश गांधी और विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र से मोतीलाल मदान व सुमित अंतिल का नाम इस गरिमापूर्ण सूची में शामिल है।

डॉ. तंवर इस समय राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास एवं शोध के क्षेत्र में शिखर-पंक्ति में हैं जबकि नीरज चोपड़ा ने खेलों के क्षेत्रों में राष्ट्रीय मंच पर हरियाणा को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं।

कला, साहित्य व लोकसंस्कृति में भी यद्यपि हरियाणा में अनेक देदीप्यमान नक्षत्र मौजूद हैं, एक ही वर्ष में पूरे देश के नायकों/महानायकों को पूरी तरह सम्मिलित कर पाना संभव नहीं होता। अतीत में कुछ वर्ष ऐसे भी बीते जब पद्म-अलंकारों की सूची में हरियाणा की सशक्त उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाई। मगर अब धीरे-धीरे इस दिशा में आशातीत प्रगति हो रही है और प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में निरंतर बना रहता है।

अभी हरियाणवी लोक संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर वह स्थान कम मिल पा रहा है जिसकी अपेक्षा है। प्रयास किया जाना चाहिए कि पूर्वाग्रह व पारस्परिक तनाव से ऊपर उठकर लोक संस्कृति के मर्म को जन-जन तक फैलाने का कार्य व्यापक रूप में हो।

संवाद के इन पृष्ठों के माध्यम से लोक संगीतकारों, कलाकारों व शास्त्रीय संगीतकारों को यथासंभव पहले से अधिक स्थान प्राप्त होगा और इस बात का भी भरसक प्रयास होना चाहिए कि ग्रामीण-शिल्प व आंचलिक कलाओं को हम लोग अपनी नगरीय सभ्यता में भी सम्मानजनक स्थान मिले।

आइए मिलकर कामना करें कि आने वाले दिनों में प्रदेश से कोरोना-महामारी को पूरी तरह मुक्त बनाने को हमारे सामूहिक प्रयास सफ़ल हों।

जय हिंद : जय हरियाणा

- डा चंद्र त्रिखा

ग्राम संरक्षक कार्यक्रमः अफसरों को विकास की जिम्मेवारी

ग्रामीण क्षेत्र के विकास की जिम्मेवारी के लिए प्रथम श्रेणी के अधिकारियों को तैयार किया जा रहा है जो ग्राम संरक्षक की भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गांव व वार्ड स्तर पर लोगों की समस्याओं के समाधान व गांवों में व्यवस्थागत व ढांचागत विकास के उद्देश्य से ग्राम संरक्षक कार्यक्रम की शुरुआत की है, जिसमें प्रदेश सरकार के प्रथम श्रेणी स्तर के अधिकारी ग्राम संरक्षक बनेंगे। वे गांवों के विकास के संबंध में मुख्य बिंदुओं को नोट कर उसकी जानकारी जिला प्रशासन व सरकार तक पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। इससे अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाना सरल होगा और जो कमियां होंगी, उनका त्वरित समाधान संभव होगा।

उन्होंने कहा कि सभी प्रथम श्रेणी स्तर के अधिकारी एक गांव का चयन कर उसके संरक्षक बनें। इसके लिए वे intrahry.gov.in पोर्टल पर स्वयं को रजिस्टर्ड करें। यह कार्य डयूटी के समय छोड़कर अन्य समय में करना है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता व गणतंत्र दिवस हमारे राष्ट्रीय पर्व हैं। अधिकारी का मतलब है अधिक काम करने वाला, इसलिए ड्यूटी से अलावा समाज के प्रति भी अधिकारी अपना कर्तव्य निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की भावना के साथ काम कर रही है। सरकार ने पिछले सात साल में जनहित में अनेक योजनाएं व कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिसमें शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना, एक जिला एक प्रोडक्ट विकसित करना, पेंशन योजनाएं, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा, स्वामीत्व योजना, हर घर नल से जल, परिवार पहचान पत्र, मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना इत्यादि शामिल हैं, जिनका लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाना जरूरी है। आज भी काफी ऐसे व्यक्ति हैं, जो उनके हित की योजनाओं का लाभ स्वयं नहीं ले पाते। ग्राम संरक्षक के रूप में अधिकारी ग्रामीणों, स्थानीय नेताओं, ग्राम स्तर पर कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों से संपर्क करेंगे तो निश्चित रूप अनेक समस्याओं का समाधान होगा।

एडीसी होंगे जिला स्तर पर नोडल अधिकारी

जिला स्तर पर ग्राम संरक्षक कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अतिरिक्त उपायुक्त होंगे। इसके अलावा सभी 22 जिलों में प्रशासनिक सचिव स्तर के अधिकारी को भी नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। यह अधिकारी समय-समय पर सभी गतिविधियों की समीक्षा करेंगे तथा जो भी समस्याएं आएंगी उनका समाधान करेंगे। ग्राम संरक्षक द्वारा भेजे जाने वाले सुझावों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजा जाएगा।

भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम संरक्षक कार्यक्रम से ग्राम स्तर पर चल रहे विकास कार्यों व योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार की संभावनाएं भी नहीं रहेंगी। जनता को योजनाओं का लाभ त्वरित मिलना संभव होगा।

सभी गांव व वार्ड होंगे कवर

प्रदेश में 6700 गांव हैं तथा करीब 2 हजार वार्ड हैं। अगर सभी प्रथम श्रेणी स्तर के अधिकारी एक-एक गांव व वार्ड के संरक्षक बनेंगे तो अधिकारियों की संख्या के हिसाब से हर गांव व वार्ड को कवर किया जा सकता है।

सीएम ने की विकास परियोजनाओं की समीक्षा

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 100 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की समीक्षा हेतु प्रशासनिक सचिवों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी अधिकारियों को परियोजनाओं का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन इन जनकल्याणकारी परियोजनाओं से लाभान्वित हो सकें।

हरियाणा का समग्र विकास सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी चल रही परियोजनाओं के लिए परियोजना मूल्यांकन और समीक्षा तकनीक (पीईआरटी) चार्ट बनाया जाना चाहिए ताकि समयावधि, पूर्ण प्रतिशत और अपेक्षित उद्घाटन तिथि की स्थिति स्पष्ट हो सके।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बताया कि वर्तमान में 14 विभागों की 80 से अधिक परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिनमें से समीक्षा बैठक में छह प्रमुख विभागों की 21 परियोजनाएं समीक्षा हेतु रखी गई हैं।

गौरतलब है कि 9 जनवरी, 2022 को मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास की गति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए

100 करोड़ रुपए से अधिक की सभी चल रही परियोजनाओं की समीक्षा करने हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति के गठन को मंजूरी दी थी। इस कमेटी द्वारा लगभग 12 विभागों की कई समीक्षा बैठकें की जा चुकी हैं और जल्द ही बाकी विभागों की भी बैठक होगी। इसके अलावा, जो परियोजनाएं अंतरविभागीय हैं, ऐसी परियोजनाओं के लिए आगामी दिनों में मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से समीक्षा बैठक करेंगे।

वर्तमान में 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली दो बड़ी परियोजनाएं हैं। सेक्टर-23, पंचकूला में लगभग 133 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) की स्थापना और लगभग 128 करोड़ रुपए की लागत से पीपीपी मोड पर सोनीपत के गांव किलोड़हद में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) की स्थापना का कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है।

निफ्ट की स्थापना के बारे में अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने बताया कि सिविल कार्य पूरा हो चुका है। अन्य उपकरणों व सामग्री के लिए टेंडर किए जा चुके हैं और प्रोजेक्ट को मार्च के अंत तक पूरा करना संभावित है। आईआईआईटी की स्थापना के संबंध में भवन का नक्शा तैयार किया जा चुका है और परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस आईआईआईटी में लगभग 20 प्रतिशत सीटें हरियाणा के छात्रों के लिए आरक्षित हैं।

लगभग 235 करोड़ रुपये की लागत से सेक्टर-9, एचएसवीपी, फतेहाबाद में 200 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण के लिए एचएसवीपी ने भूमि उपलब्ध कराई है और जल्द ही इसके लिए निविदाएं मांगी जाएंगी। फरीदाबाद के सिविल अस्पताल में 103 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले मातृ एवं शिशु अस्पताल ब्लॉक के निर्माण के लिए शीघ्र ही टेंडर निकाले जाएंगे और निर्माण कार्य का निष्पादन भी जल्द से जल्द किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन जिलों में मेडिकल कॉलेज नहीं हैं या जहां सिविल अस्पतालों को अभी तक 100 बिस्तर से 200 बिस्तरों में अपग्रेड नहीं किया गया है, उनका पूरा विवरण तैयार किया जाए।

उन्होंने बताया कि 598 करोड़ रुपये की लागत से राजकीय मेडिकल कॉलेज कोरियावास नारनौल, 535 करोड़ रुपए की लागत से सरकारी मेडिकल कॉलेज, भिवानी, 663 करोड़ रुपए की लागत से सरकारी मेडिकल कॉलेज, जींद, 172 करोड़ रुपए की लागत से राजकीय डेंटल कॉलेज, नल्हड़, नूंह तथा 373 करोड़ रुपए की लागत से कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज, करनाल में नए भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

श्रीमती जी अनुपमा ने बताया कि वर्तमान में राज्य में छह नर्सिंग कॉलेजों, एक कैथल (धेर्दु) में, एक कुरुक्षेत्र (खेड़ी राम नगर) में, एक पंचकूला (खेड़ावाली) में, दो फरीदाबाद (औरा, दयालपुर) और एक रेवाड़ी (कोसली) में, का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति तथा उपकरण की खरीद प्रक्रिया को भी क्रियान्वित किया जा रहा है।

एके सिंह ने बताया कि फिरोजपुर झिरका और नगीना ब्लॉक के 80 गांवों में पेयजल आपूर्ति योजना तथा अटबा में यमुना मैदान में रैनीवैल और जिला नूंह में पाइप लाइन के निर्माण कार्य पूर्ण होने से लगभग 4 लाख आबादी लाभान्वित होने की उम्मीद है। पलवल के पृथला एवं पलवल खंड के 84 गांवों में गुणवत्ता प्रभावित 84 गांवों में पेयजल आपूर्ति योजना में तथा नगीना एवं पिंगवान खंड के 52 गांवों एवं 5 ढाणियों में जलापूर्ति की स्थिति के बारे में भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम : संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

सूचना का अधिकार RIGHT TO INFORMATION

मुख्यमंत्री ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल लांच किया है। पोर्टल आरंभ करने का उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिज़िटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ाना है।

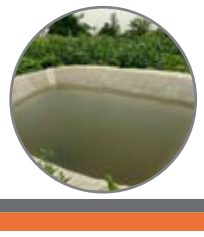

बरसात के पानी को दोबारा उपयोग में लाने के लिए योजनाओं पर ज़ोर दिया गया है। सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड के तहत 320 नई योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके तहत लगभग 494 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी।

सरस्वती के लिए भागीरथ प्रयास

विशेष प्रतिनिधि

आदिबद्री डैम के निर्माण से वर्षों पहले विलुप्त हुई सरस्वती नदी का पुनरुद्धार होगा। आदिकाल से पूजनीय सरस्वती नदी के प्रवाह स्थल के आसपास धार्मिक मान्यताएं पुनः जागृत होंगी, इसके साथ-साथ यह क्षेत्र तीर्थाटन के रूप में भी विकसित होगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल पंचकूला के पीडब्लूडी विश्राम गृह में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की उपस्थिति में आदिबद्री में डैम के निर्माण से संबंधित समझौता ज्ञापन हुआ। इस दौरान हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल व हिमाचल के मुख्य सचिव राम सुभग सिंह ने डैम निर्माण हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पीठ की स्थापना

आदिबद्री डैम बनने से 20 क्यूसिक पानी निरंतर सरस्वती नदी में प्रवाहित होगा। इससे पूरा वर्ष सरस्वती में पानी का प्रवाह रहेगा। उन्होंने कहा कि सरस्वती नदी के प्रवाह के संबंध में न केवल धार्मिक मान्यता है, बल्कि सैटेलाइट से स्पष्ट हुआ है कि ज़मीन के अंदर आज भी इसका प्रवाह है। सरस्वती नदी पर शोध के संबंध में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पीठ की स्थापना की गई है, इसके अतिरिक्त हरियाणा सरस्वती हैरिटेज डेवलेपमेंट बोर्ड की स्थापना की गई है। हरियाणा सरकार ने आदिबद्री से कैथल होते हुए घग्गर नदी तक 200 किलोमीटर दूरी के क्षेत्र को सरस्वती नदी के लिए अधिसूचित किया है। राजस्व रिकॉर्ड में भी इसका ज़िक्र मिलता है।

हिमाचल की भूमि पर बनाया जाएगा डैम

यह डैम हिमाचल प्रदेश क्षेत्र के 31.66 हैक्टेयर भूमि पर बनाया जाएगा, इस पर 215.33 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसमें हर वर्ष 224.58 हैक्टेयर मीटर पानी का भंडारण होगा। इसका 61.88 हैक्टेयर मीटर पानी हिमाचल प्रदेश को तथा शेष करीब 162 हैक्टेयर मीटर पानी हरियाणा को मिलेगा। इस पानी को सरस्वती नदी में प्रवाहित किया जाएगा। इस डैम की चौड़ाई 101.06 मीटर तथा ऊंचाई 20.5 मीटर होगी। डैम से 20 क्यूसिक पानी सालभर सरस्वती नदी में प्रवाहित होगा। इस प्रोजेक्ट का मकसद सरस्वती नदी के पुनरूद्धार के साथ-साथ भूमिगत जल स्तर को बढ़ाना है। डैम के शुरू होने से बारिश के दिनों में अत्यधिक वर्षा से पैदा होने वाली बाढ़ की स्थिति से भी निपटा जा सकेगा। इसके नज़दीक बनने वाली झील से पर्यटन बढ़ेगा।

तीर्थाटन के रूप में भी होगा विकसित

आदिबद्री डैम बनने से इसके आस-पास का क्षेत्र तीर्थाटन के रूप में भी विकसित होगा। पर्यटन की दृष्टि से कालका से कलेसर तक का क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में आदिबद्री, लोहागढ़, कपालमोचन, माता मंत्रादेवी सहित अनेक धार्मिक व पर्यटन स्थल आते हैं। डैम के साथ-साथ यहां झील बनने से बहुत से पर्यटक आएंगे, इससे दोनों प्रदेशों को लाभ मिलेगा।

हथनीकुंड बैराज पर भी बनेगा डैम

सीएम ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के साथ मिलकर कई परियोजनाओं पर काम किया जाएगा, जिसमें हथनीकुंड बैराज पर डैम बनाया जाना भी शामिल है। इस डैम से बिजली उत्पादन के साथ-साथ यमुना नदी में भी साफ पानी का निरंतर प्रवाह संभव हो सकेगा। इस डैम में पहाड़ों से हथनीकुंड बैराज पर आने वाले पानी को संचित किया जाएगा जिससे फसलों को बाढ़ जैसी स्थिति से भी बचाया जा सकेगा। इस डैम के लिए एनओसी मांगी गई है, जल्द सर्वे का काम शुरू होगा।

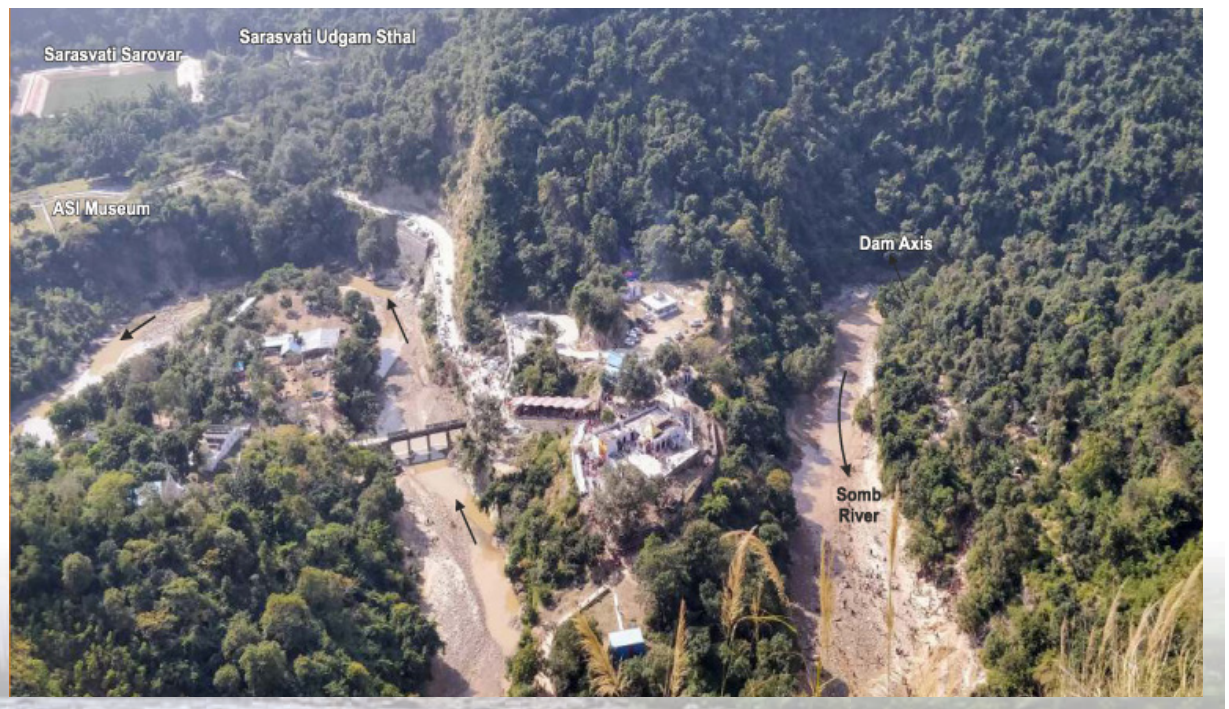

जल्द होगा आदिबद्री डैम का शिलान्यास

हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि आदिबद्री डैम दोनों प्रदेशों के लिए सिंचाई व पीने के पानी की आवश्यकता को पूरा करेगा। सरस्वती नदी में जल के प्रवाह से धार्मिक व पर्यटन के दृष्टि से यह क्षेत्र विकसित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई बार कार्यक्रमों में सरस्वती नदी के पुनरुद्धार के संबंध में अपनी इच्छा व्यक्त की है। प्रधानमंत्री का देश की नदियों को जोड़ने का भी एक महत्वपूर्ण विज़न रहा है। इसी कड़ी में हरियाणा व हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच आदिबद्री डैम को लेकर एमओयू हुआ है। इस डैम से जुड़े जमीन मालिकों को उचित मुआवज़े की व्यवस्था की जाएगी। आने वाले दिनों में इस परियोजना से जुड़ी सभी औपचारिकता पूरी करके इस डैम का शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार व हरियाणा सरकार साथ मिलकर कई अन्य परियोजनाओं की भी रूपरेखा तैयार कर रही हैं। इससे दोनों क्षेत्रों में पर्यटन विकसित होगा।

आदिबद्री डैम बनना गौरव की बात

हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि आदिबद्री में डैम बनाया जाना बेहद गौरव की बात है। वेदों की रचना इसी नदी के किनारे हुई थी। किसी कारणवश यह नदी विलुप्त हो गई थी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सरकार बनाते ही सरस्वती के पुनरूद्धार के लिए काम शुरू किया। आज यह ऐतिहासिक पल है, यह भगीरथी प्रयास से कम नहीं है।

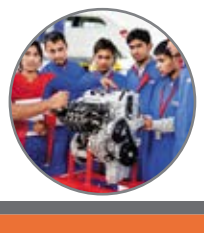

कौशल विभाग की दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली एक अद्भुत योजना है, जिसके माध्यम से राज्य के युवाओं को आईटीआई कोर्सिज के साथ-साथ उद्योगों में नवीनतम मशीनों पर प्रशिक्षण देते हुए रोजगार के बेहतरीन अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

दिल्ली से हिसार के बीच शीघ्र सुपरफास्ट रेल सेवा की बेहतर कनेक्टिविटी होगी और इसके शुरू होने के बाद दिल्ली से हिसार का सफर मात्र डेढ़ घंटे का रह जाएगा।

आजादी का

मनोज प्रभाकर

राष्ट्रीयता के प्रति अटूट आस्था और जीवन मूल्यों से जुड़ाव किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार होती हैं। राष्ट्र का गौरव तभी जागृत रहता है जब वह अपने स्वाभिमान और बलिदान की परंपराओं को अगली पीढ़ी तक ले जाए और उन्हें संस्कारित करे। स्वाधीनता की लंबी जद्दोजहद पर नज़र डालें तो हमारे प्रदेश के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है। यहां का समृद्ध इतिहास इसकी गवाही देता है।

गुलामी की बेडियों से देश को स्वतंत्र कराने की लड़ाई कब शुरू हुई यह तो बताना कठिन है, लेकिन गोस्वामी तुलसीदास ने जब 'पराधीन सपनेहुं सुख नाहीं' का उद्घोष किया था तो उनके मानस में देश को स्वतंत्र कराने की ही कामना रही होगी। उन जैसे संतों ने ही हमारे पूर्वजों में स्वाभिमान की चिंगारी पैदा की, जो आगे चलकर स्वतंत्रता व स्वराज की मशाल बनकर उभरी और 1947 में आजादी प्राप्त की। आजादी की इस जंग में हमारे लाखों पूर्वज शहीद हो गए।

प्रदेश की जनता में उन शहीदों तथा राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना और सुदृढ़ हो तथा आजादी के महत्व के लिए दी गई कुर्बानियों का आभास बराबर बना रहे, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे राष्ट्र में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने का निर्णय लिया गया है।

स्वाभिमान और स्वतंत्रता के बाद देश स्वावलंबन के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि 'आत्मनिर्भर भारत' की तर्ज पर 'आत्मनिर्भर हरियाणा' की विशेष पहल अपनी सफल डगर पर है। अंत्योदय के जरिए हर गरीब परिवार के स्वाभिमान को जागृत करने की योजना है। इसके अलावा डिजिटलाइजेशन के जरिए स्थापित की जा रही पारदर्शी व्यवस्था निसंदेह उन वीर शहीदों के सपनों के अनुरूप होगी जिनके दिलो दिमाग में भारत माता के प्रति बलिदानी लगाव था।

आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' श्रृंखला के तहत 15 अगस्त 2023 तक अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अमृत महोत्सव के कार्यक्रम भारत विजन-2047 की तर्ज पर हरियाणा विजन-2047 के अनुरूप भी होंगे। उम्मीद है 75 माह की इस अल्पावधि में गरीब परिवारों के साथ पूरा प्रदेश आजादी के अमृत महोत्सव की सार्थकता को महसूस करेगा।

भारत की आजादी में हरियाणा के वीरों का उल्लेखनीय योगदान रहा है। अनेक स्थल इस जंग के साक्षी रहे हैं। अनेक परिवारों के वीर सपूतों ने कुर्बानियां दी, इतना ही नहीं अनेक प्रकार से मदद भी की गई। महोत्सव के दौरान उन परिवारों के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान पांच प्रमुख विषयों-स्वतंत्रता संग्राम, विजेता, उपलब्धियां, विचार व संकल्प के साथ जनभागीदारी पर करीब दो हजार कार्यं म प्रस्तावित हैं। अंबाला कैंट में भारत की आजादी की पहली लड़ाई का शहीदी स्मारक बनाया जा रहा है। महेंद्रगढ़ के गांव नसीबपुर में शहीदी स्मारक का निर्माण किया जाएगा। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से प्रदेश के सभी जिलों में स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा के योगदान पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जा रही हैं।

प्रदेश की वर्तमान पीढ़ी एक नया भविष्य बनाने की प्रेरणा से भरी है। इसके चलते हम सभी को स्मरण रखना चाहिए कि भविष्य हमेशा अतीत की गोद में होता है। हमें अपने उन पूर्वजों को बराबर याद रखना होगा जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

उनके बलिदान से सभी को राष्ट्र की प्रगति में एकजुटता के साथ योगदान देने की प्रेरणा मिलती है। हरियाणा सरकार इसी मूल भावना से आगे बढ़ी जिसके चलते यह 'सबका साथ-सबका विकास' के बाद 'सबका विश्वास' हासिल करने में कामयाब रही।

राजपथ पर हरियाणा का गौरव

गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली का राजपथ खेल के क्षेत्र में देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में अपनी पहचान कायम कर खेलों का 'पॉवर हाउस' बन चुके हरियाणा के दम ख़म का गवाह बना। गणतंत्र दिवस समारोह -2022 में हरियाणा राज्य की झांकी खेल के क्षेत्र में भारत के गौरव का प्रदर्शन करती दिखाई दी।

झांकी जब राजपथ पर आई तो देखने वालों को लगा मानों उनके सामने कोई अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता हो रही है, जिसमें भारतीय खिलाडियों ने जीत का परचम लहराकर तिरंगे को फहराया और दुनिया के पटल पर भारत का मान बढ़ाया। हरियाणा-खेलों में नंबर वन की थीम पर तैयार इस झांकी की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि इसमें योगेश्वर दत्त, बजरंग पुनिया, कुमारी रानी रामपाल और सुमित अंतिल सहित कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की मौजूदगी रही। इन खिलाडियों ने ओलम्पिक से लेकर एशियन और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है।

दो हिस्सों में बनी हरियाणा की झांकी के अगले हिस्से में घोड़े व भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के प्रतीक शंख थे। घोड़ों से जुता रथ महाभारत युद्ध के 'विजय रथ' का प्रतीक है। यहां रखा शंख भगवान श्रीकृष्ण के शंख का प्रतीक है। झांकी के दूसरे हिस्से को चार भागों में बांटा गया था। इसके पहले भाग में ओलंपिक की तर्ज पर बने अखाड़े में दो पहलवान खिलाड़ी कुश्ती का प्रदर्शन कर रहे थे। इसके पीछे के दो हिस्सों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हरियाणा के 10 ख्याति प्राप्त खिलाड़ी खड़े थे। झांकी के अंतिम हिस्से पर भाला फेंकने की मुद्रा में ओलंपियन नीरज चोपड़ा की आदमकद प्रतिकृति थी तो झांकी के दोनों ओर हाई रीलीफ में हरियाणा के चुनिंदा खेलों जैसे बॉक्सिंग, वेट लिफ्टिंग, शूटिंग, डिस्कस थ्रो व हॉकी के खिलाड़ियों की गतिविधियों को उकेरा गया था।

खिलाड़ियों का पूरा मान सम्मान

देश के केवल 1.3 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र और 2.09 प्रतिशत आबादी वाले हरियाणा ने ओलंपिक और एशियन गेम्स सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हमेशा देश का नाम रोशन किया है। टोक्यो ओलंपिक -2020 में भारत को प्राप्त कुल 7 पदकों में से हरियाणा के खिलाड़ियों ने 4 पदक जीते। इनमें व्यक्तिगत वर्ग में जीता गया एकमात्र स्वर्ण पदक भी शामिल है।

हरियाणा सरकार ने भी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए समय - समय पर उन्हें उचित मान सम्मान से नवाजा है। हरियाणा सरकार ने टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाले राज्य के खिलाड़ियों को 25.40 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार और क्लास -1 और क्लास -2 की सरकारी नौकरियों से सम्मानित किया। सरकार ने इसी प्रकार टोक्यो पैरालंपिक -2020 में देश का मान बढ़ाने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों को 28.15 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार और नौकरियां प्रदान की हैं।

नेताजी की प्रतिमा का अनावरण

देशभर में पराक्रम दिवस के रूप में मनाई जा रही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ में नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में नेताजी जी की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान किया कि वे नेताजी के आदर्शों और बलिदान से प्रेरणा लेते हुए देश की सेवा के लिए आगे आएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक अद्वितीय नेता थे, जिन्होंने आजाद हिंद फौज का नेतृत्व करके न केवल भारत की धरती पर बल्कि पूरे विश्व में आजादी की मशाल जलाई थी। भारत माता के लिए अपने अद्वितीय संघर्ष के लिए नेताजी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के उस महान युग में, जब देश ब्रिटिश शासन के चंगुल से मुक्त होने के लिए संघर्ष कर रहा था, नेताजी ने अपनी आज़ाद हिंद फौज के 50,000 बहादुर जवानों के साथ विदेशी शासन की नींव हिला कर रख दी थी और अंग्रेजों को भारत छोडना पड़ा था।

हरियाणा बोलेगा जय हिंद बोस

मनोहर लाल ने कहा कि आजाद हिंद फौज और यहां तक कि आजाद हिंद सरकार (शैडो सरकार) का गठन स्वतंत्रता प्राप्त करने के प्रति नेता जी के उत्साह और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नेताजी का भाषण जो उस समय रेडियो पर प्रसारित होता था, विशेष रूप से वह नारा तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा ने निश्चित रूप से युवाओं में देशभक्ति व अदम्य साहस पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में पूरा देश अमृत महोत्सव मना रहा है, इसी कड़ी में राज्य में जनभागीदारी के साथ 'हरियाणा बोलेगा जय हिंद बोस' के नारे के साथ करीब 495 कार्यक्रम आयोजित किए गए, 1500 ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि देश की सेवा में हरियाणा का योगदान हमेशा राज्य के लिए बहुत गर्व का विषय रहा है।

'वन टाइम सेटलमेंट स्कीम' के तहत महिला विकास निगम से ऋण लेने वाली लाभार्थियों का ब्याज माफ़ करने का निर्णय लिया है। 31 मार्च, 2019 को बकाया मूलधन की अदायगी एकमुश्त या छह किश्तों में पहली जून, 2022 तक कर देंगी।

महिलाओं के खिलाफ़ अपराध की रिपोर्टिंग को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए महिला पुलिस स्टेशन सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। अपराध की तुरंत रिपोर्ट दर्ज़ करवाने के लिए 239 महिला सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं।

ा अमृत महोत्सव

हर्षोल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

हरियाणा में 73वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन पंचकूला में किया गया, जहां हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। वहीं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अंबाला में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली।

जींद में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए झंडा फहराया और भव्य परेड की सलामी ली। इससे पूर्व उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र चढ़ाकर शहीदों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर हरियाणा पुलिस की टुकड़ी ने शस्त्र झुकाकर एवं मातमी धुन बजाकर शहीदों को नमन किया।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने पुलिस लाईन जगाधरी के परिसर में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा मार्च पास्ट का निरीक्षण कर परेड की सलामी ली। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में हरियाणा प्रदेश का भी अहम योगदान रहा है। आज भी हरियाणा के नौजवान सेना में भर्ती होना अपनी शान समझते हैं और यही कारण है कि आज भारतीय सेना का हर दसवां जवान हरियाणा से है।

करनाल में आयोजित समारोह में गृह मंत्री अनिल विज ने मुख्यतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। परेड में सम्मिलित हरियाणा पुलिस, महिला पुलिस, गृह रक्षी व एनसीसी आर्मी विंग, एनसीसी एयर विंग तथा भारत स्काउट्स व गाइड्स की टुकड़ियों ने भाग लेकर शानदार मार्च पास्ट किया। इससे पूर्व श्री अनिल विज ने शहीदी स्मारक पर जाकर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

प्राइवेट सेक्टर में 75 प्रतिशत आरक्षण लागू

हरियाणा के युवाओं को अब प्राइवेट सेक्टर में नौकरी की तलाश में अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि उनके राज्य में नौकरी में 75 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इससे अब राज्य में युवाओं की प्रतिभा का लाभ उठाया जा सकेगा। हरियाणा में प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण का 'हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवार रोजगार अधिनियम 2020' 15 जनवरी 2022 की रात्रि से लागू हो गया है। यह कानून दस से ज़्यादा कर्मचारी वाले उद्योगों में लागू होगा।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा देश की आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर हरियाणवी युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में 75 प्रतिशत अधिकार देने का ऐतिहासिक कानून मिला है। नए स्टार्टअप तथा नई आईटी/आईटीईएस कंपनियों को 'हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवार रोजगार अधिनियम 2020' में दो वर्ष के लिए छूट दी जाएगी। इसके अलावा, शॉर्ट टर्म (45 दिनों) वाले कार्यों में भी इस एक्ट से छूट मिलेगी।

क्या है नियम

- 15 जनवरी 2022 से यह कानून पूरे राज्य में लागू हो गया है।
- प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण का लाभ उन्हीं उम्मीदवारों को दिया जाएगा जो हरियाणा राज्य में अधिवासित है। इन्हें ही लोकल कैंडिडेट की श्रेणी में रखा गया है।
- युवाओं को डोमिसाइल सर्टिफिकेट की समस्या हल करने के लिए पोर्टल पर परिवार पहचान पत्र से लिंक करने का विकल्प दिया जाएगा।
- इस अधिनियम के दायरे में राज्य की प्राइवेट कंपनियां, सोसायटी, ट्रस्ट, लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप फर्म, पार्टनरशिप फर्म और 10 या अधिक को रोज़गार देने वाला कोई भी व्यक्ति या संस्था इस कानून के दायरे में आएगा।
- 30 हजार रुपए तक की सैलरी वाली निजी नौकरियों में प्रदेश के युवाओं को 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा। पहले यह सीमा 50 हजार रुपए तक थी।
- 30 हजार रुपए तक की नौकरी वाले हर कर्मचारी को श्रम विभाग की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। इसकी जिम्मेदारी संबंधित कंपनी, फर्म अथवा रोजगार प्रदाता की होगी।
- रोज़गार योग्य लोकल उम्मीदवारों को नौकरी न देने वाले उद्योगों पर 50 हजार से 2 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है।
- उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के उपनिदेशक स्तर के अधिकारी निगरानी करेंगे।
- ईंट-भट्ठों पर यह नियम लागू नहीं होगा।
- आईटीआई पास युवाओं को रोज़गार में प्राथमिकता मिलेगी।
- इस आरक्षण के तहत लाभ प्राप्त के लिए कैंडिडेंट को अनिवार्य रूप से डेजिग्नेटेड पोर्टल पर खुद को रजिस्टर करना होगा।
- एंप्लॉयर को भी इसी पोर्टल के जरिए भर्तियां करनी होंगी।
- निजी सेक्टर में कार्यरत किसी कर्मचारी को हटाया नहीं जाएगा।
- हालांकि इस कानून में उद्योगों को यह अधिकार दिया गया है कि अगर किसी काम के लिए स्किल्ड और क्वॉलिफाइड लोग नहीं हैं, तो वो प्रशासनिक अनुमति के साथ किसी भी कर्मचारी को रख सकते हैं।

पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाएं युवा

हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे युवाओं को 'हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवार रोजगार अधिनियम 2020' के तहत रोज़गार पाने के लिए जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन करवाएं। उन्होंने यह भी कहा कि वे प्रति वर्ष युवाओं को रोज़गार दिलाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करें ताकि उसको हासिल करने के लिए तेज़ी से काम किया जा सके।

-संगीता शर्मा

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को हरेरा गुरूग्राम के चेयरमैन के.के. खंडेलवाल ने ''भगवत गीता डायरी-2022'' भेंट की। इस डायरी में सम्मिलित की गई ज्ञानवर्धक जानकारी के साथ-साथ गीता के उपदेशों का प्रचार-प्रसार होगा।

हरियाणा संस्कृत अकादमी की पत्रिका 'हरिप्रभा' को यूजीसी ने संस्कृत रिसर्च जनरल में लिस्टेड कर लिया है। इससे अब इस पत्रिका में प्रकाशित होने वाले शोधपत्रों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

फसल विविधिकरण की ओर बढ़ता रूझान

जल संरक्षण एवं सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए आरंभ की गई 'मेरा पानी-मेरी विरासत योजना' के सकारात्मक परिणाम आने लगे हैं। किसानों का रूझान धान जैसी अधिक पानी से तैयार होने वाली फसलों की बजाय अन्य फसलों की ओर बढ़ा है। बाजरे जैसे बाहुल्य जिलों में दलहन व तिलहन का रकबा बढ़ा है।

राज्य में लगभग 37 लाख एकड़ में धान की खेती की जाती है जो गिरते भू-जल स्तर का मुख्य कारण है। मुख्यमंत्री का मामना है कि हम भावी पीढ़ी को खेतों के साथ-साथ पानी भी विरासत में देकर जाएं, इसके लिए उन्होंने 'मेरा पानी-मेरी विरासत योजना' की परिकल्पना की, जो पूरे देश में अपनी तरह की एक अनूठी योजना है।

इस योजना के तहत धान के स्थान पर कम पानी से तैयार होने वाली अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने पर किसानों को 7,000 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देने की शुरूआत की गई और वर्ष 2021 में इस योजना के तहत 32,196 किसानों ने 51,874 एकड़ क्षेत्र में धान के स्थान पर अन्य फसलों की बुआई की और 7,000 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि का लाभ लिया।

इतना ही नहीं, बाजरा बाहुल्य जिलों में भी इस योजना के प्रति किसानों का रूझान देखने को मिला। प्रदेश के 18 जिलों में 12,819 किसानों ने 20,562 एकड़ क्षेत्र में तिलहन व दलहन की फसलों की बुआई की और 4,000 रुपए प्रति एकड़ की दर से प्रोत्साहन राशि का लाभ उठाया। इसी प्रकार जीरो टीलेज बिजाई मशीन से 7,131 किसानों ने 14,235 एकड़ क्षेत्र में धान की सीधी बिजाई की, जिसके लिए किसानों को 5,000 रुपए प्रति एकड़ की दर से प्रोत्साहन राशि दी गई।

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने बताया कि 'भावांतर भरपाई योजना' भी किसानों में काफी लोकप्रिय है। ई-खरीद के माध्यम से फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य व बाजार भाव के अन्तराल को पाटने के लिए सरकार की ओर से 600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से सीधे किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से डाले गये और 2 लाख 38 हजार 245 किसानों को 436.44 करोड़ रुपए का लाभ हुआ।

- संवाद ब्यूरो

गांवों में फैलता उज़ियारा

'म्हारा गांव जगमग गांव' योजना का दायरा बढ़ता जा रहा है। बिजली निगमों ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर 82 और गांवों को इस योजना में शामिल कर लिया। इसके साथ ही हरियाणा के 5569 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो जाएगी।

यह हरियाणा के इतिहास में शायद पहला अवसर है जब बिजली निगमों की चारों वितरण कंपनियां मुनाफे में पहुंची है। 'म्हारा गांव-जगमग गांव' योजना लागू होने के बाद से उपभोक्ताओं में जागरूकता आई है जिसके फलस्वरूप बिजली बिल भरने के प्रति लोग आगे आ रहे हैं।

बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिन 82 गांवों में 'म्हारा गांव-जगमग गांव' योजना के तहत 24 घंटे बिजली आपूर्ति होगी उनमें उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के 52 गांव तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के 30 गांव शामिल हैं। इन गांवों में सोनीपत जिले के 25 गांव, रोहतक के 9, झज्जर के 18, चरखी दादरी के 4, महेंद्रगढ़ के 18 तथा भिवानी जिले के 10 गांव शामिल हैं।

इसके साथ ही 26 जनवरी से प्रदेश के 77 प्रतिशत अर्थात 5569 गांव में 24 घंटे बिजली आपूर्ति उपलब्ध हो जाएगी। इससे पहले यह संख्या 5487 गांव की थी। उन्होंने बताया की 10 जिले नामतः सिरसा, फतेहाबाद, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला, अंबाला, कुरूक्षेत्र, यमुनानगर व करनाल ऐसे जिले बन गए हैं जहां 24 घंटे बिजली की उपलब्धता हुई है।

डायरेक्ट मार्केटिंग किसानों की ज़रूरत

किसान को फसल चक्र में बदलाव करके और डायरेक्ट मार्केटिंग की ओर अग्रसर होना चाहिए। तब खेती घाटे का सौदा नहीं, मुनाफ़ा का सौदा साबित हो सकती है। साथ ही किसान को बदलते समय की मांग के अनुसार हर नई तकनीक को अपनाना चाहिए। इसी बुलंद सोच के साथ कुरुक्षेत्र के मंगोली जटाना गांव के युवा किसान कुलबीर सिंह नित नए आयाम कायम कर रहे हैं। प्रगतिशील किसान कुलबीर कई राज्य व राष्ट्रीय स्तर के अवार्ड से सम्मानित भी हो चुके हैं।

मार्केटिंग पर ध्यान केंद्रित

कुलबीर सिंह की पांच एकड़ अपनी ज़मीन है और दस एकड़ ज़मीन लीज पर लेकर मौसमी सब्ज़ियों और चावल, गेहूं, गन्ना व सरसों की खेती करते हैं। डेयरी फार्मिंग के अंतर्गत एचएफ नस्ल की 45 गाय हैं। हाईटेक डायरी से भी वह आमदनी कमा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह किसान उत्पादक संगठन बनाने की प्रक्रिया में जुटे हुए हैं और उनका पूरा ध्यान प्रोडक्ट की मार्केटिंग पर केंद्रित रहेगा, जिससे कि अधिक लाभ कमाया जा सकें। वह बताते है कि मोर, रिलायंस और बिग बास्केट में भी उनकी सब्ज़ियां सप्लाई होती है और कंपनियां 'ए' ग्रेड की सब्ज़ियां लेती है। इसके चलते वह अपने खेत में लगातार सुधार करते रहते हैं ताकि 'ए' ग्रेड की सब्ज़ियां पैदा हो। जबकि अन्य सब्ज़ियों को वह मंडी में बेचकर आते हैं।

मधुपालकों को किया प्रशिक्षित

कुलबीर ने बताया कि पिछले 20 वर्षों से मधुमक्खी व्यवसाय में सक्रिय रूप से शामिल है, पहले वह केवल शहद और मोम का कारोबार करते थे, लेकिन कुछ वर्षों के बाद जब बाज़ार में प्रोपोलिस और पराग की मांग बढ़ गई, तो उन्होंने इन उत्पादों का उत्पादन अपने मधुमक्खी पालन से शुरू किया। इन मधुमक्खी उत्पादों के कारण वह शहद और मोम के अलावा अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। वह अतुल्य बी-मास्टर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से भी जुड़े हैं। उन्हें अलग-अलग किस्म के शहद सप्लाई करते हैं और डायरेक्ट मार्केटिंग के ज़रिए भी वह अपना शहद बेचते हैं। उनका कहना है कि गत दो वर्ष से शहद की बिक्री में बूम आया है और शहद अलग-अलग किस्मों के हिसाब से 375 रुपए से 2,000 रुपए प्रति किलो बिकता है। उनका मानना है कि मधुमक्खी व्यवसाय भूमिहीन और छोटे किसानों के लिए बहुत ही आसान और लाभदायक है। इसलिए हर किसान को मधुमक्खी पालन करना चाहिए। उन्होंने पिछले दस वर्षों में विभिन्न तकनीकों के साथ लगभग 2,000 मधुमक्खी पालकों को प्रशिक्षित किया है। अब उनमें से बहुत लोगों ने मधुमक्खी पालन को व्यवसाय के रूप में अपना लिया है और अच्छी ख़ासी कमाई कर रहे हैं।

कोविड-19 अवधि के दौरान योगदान

कुलबीर ने बताया कि कोविड-19 की चुनौती का सामना नए तरीके से किया और ग्राहकों के घर जाकर ताज़ी सब्ज़ियों टमाटर, लौकी, ककड़ी, मिर्च, शहद, दूध और दूध उत्पादों का प्रत्यक्ष विपणन शुरू किया है। फोन कॉल पर सब्ज़ियों की सप्लाई की। उन्होंने अन्य किसानों को भी अपने नेटवर्क के माध्यम से उनकी सब्ज़ियां बेचने में मदद की। अप्रैल से जून 2020 तक दो महीने की अवधि के लिए प्रतिदिन दस क्विंटल सब्ज़ियों की आपूर्ति की।

कुलबीर सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाकर खेती में विविधता लाई है। सब्ज़ियों और गन्ने में अंतर फसल करके किसानों को अधिक मुनाफ़ा कमाने के लिए प्रेरित करते हैं। वह मुख्य रूप से छोटी अवधि की सब्ज़ियों के साथ खीरा उगाते हैं। इसके अलावा गन्ने के साथ सब्ज़ियां, करेला के साथ टमाटर, लौकी के साथ धनिया और प्याज, शिमला मिर्च, फूल गोभी, सेब-लौकी की खेती, गन्ने के साथ भी करते हैं।

व्यावसायिक प्रशिक्षण

कुलबीर सिंह ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा वर्ष 2020 के लिए 'राष्ट्रीय पुरस्कार पंडित दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय कृषि पुरस्कार' और हरियाणा सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान योजना' के लिए आवेदन किया है। स्नातकोत्तर कुलबीर ने कुरुक्षेत्र के पशुपालन विभाग से कुक्कुट पालन, कृषि विज्ञान केंद्र, कुरुक्षेत्र से मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन पर व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। भारत-इजरायल केंद्र-एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र, रामनगर, कुरुक्षेत्र में रानी मधुमक्खी पालन और रॉयल जैली निष्कर्षण पर विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रगतिशील किसान के रूप में सम्मान

कुरुक्षेत्र के जाने-माने मधुपालक कुलबीर सिंह 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय कृषि पुरस्कार 2019' (राष्ट्रीय और क्षेत्रीय) से सम्मानित हो चुके हैं। वह रानी मधुमक्खी के बड़े पैमाने पर गुणन और मधुमक्खी पालकों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण में जुड़े हुए है। इसके अलावा मुर्गी पालन, मशरूम, सब्ज़ी की खेती, डेयरी और कृंतक प्रबंधन में भी माहिर हैं। उन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने के लिए नाबार्ड राष्ट्रीय संगोष्ठी में हरियाणा के किसानों का प्रतिनिधित्व किया। वह मास्टर मधुमक्खी पालकों के राज्य स्तरीय एफपीओ के सदस्य, हरियाणा डेयरी किसान संघ के कार्यकारी सदस्य, मधुमक्खी पालन समिति, कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष और मधुमक्खी पालन और हाईटेक सब्ज़ियों के मास्टर ट्रेनर किसान हैं।

-संगीता शर्मा

कृषि क्षेत्र में दी जा रही सुविधाओं के कारण खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा का देश में दूसरा स्थान है। 2020-21 के रबी और खरीफ फसल का कुल 195 लाख मीट्रिक टन रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन हुआ है।

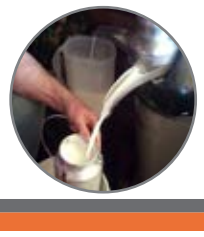

किसानों ने दूध व खाद्यान्न उत्पादन में नये रिकार्ड कायम किये हैं। प्रदेश में वार्षिक दूध उत्पादन 117 लाख टन से अधिक पहुंच गया है। अब प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दूध की उपलब्धता एक हजार 142 ग्राम हो गई है।

शिवालिक में एडवेंचर-स्पोर्ट्स

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आजादी के 75वें अमृत महोत्सव तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर घोषणा की कि राज्य सरकार द्वारा प्रति वर्ष प्रदेश के 1,000 युवाओं को एडवेंचर-स्पोर्ट्स की ट्रेनिंग दी जाएगी ताकि वे रोज़गार प्राप्त कर सकें। पंचकूला के मोरनी के अलावा कलेसर, ढ़ोसी, अरावली व मेवात की पहाड़ियों में भी एडवेंचर-स्पोर्ट्स आरंभ किए जाएंगे जहां पर हर साल तीन से पांच 'एडवेंचर-स्पोर्ट्स कैंप' आयोजित किए जाएंगे। उक्त कैंपों में ट्रेनिंग पर दो करोड़ रुपए की राशि प्रत्येक वर्ष खर्च की जाएगी।

मुख्यमंत्री हरियाणा के खेल एवं युवा मामले विभाग द्वारा 'मिल्खा सिंह एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब' के तहत 'यूथप्रीन्योर' नामक ट्रेनिंग प्रोग्राम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में मोरनी क्षेत्र के 16 से 29 वर्ष के बीच के युवाओं को 'एडवेंचर-स्पोर्ट्स एंड होम-स्टे' से संबंधित इंटरप्रीन्योरशिप बारे प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर खेल एवं युवा मामलों के राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

युवा बनें जॉब-गिवर

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नेताजी की जयंती के अवसर पर युवाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आजादी के आंदोलन में दिए गए उनके सर्वोत्कृष्ट योगदान की विस्तार से चर्चा की और उनके दिखाए गए देशभक्ति के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद, महात्मा बुद्ध, महात्मा गांधी, भगत सिंह समेत अन्य महापुरूषों का उदाहरण देते हुए बताया कि युवाओं में असीम ऊर्जा होती है, इस ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग किया जाए तो स्वयं के साथ-साथ राष्ट्र की उन्नति होती है। उन्होंने युवाओं को जॉब-सिकर की बजाए जॉब-गिवर बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार अंत्योदय की भावना से गरीब से गरीब व्यक्ति के उत्थान के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय रोज़गार मेले आयोजित करके गरीब लोगों को मुर्गी फार्म, मछली पालन, पशुपालन समेत अन्य स्वरोज़गार अपनाने के लिए ऋण आदि की सुविधाएं देने बारे ज़ागरूक कर रहे हैं ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा एडवेंचर स्पोर्टस के अलावा धार्मिक पर्यटन एवं सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के प्रति युवाओं को अवगत करवाया।

मोरनी क्षेत्र के कई युवाओं ने 'यूथप्रीन्योर' ट्रेनिंग प्रोग्राम में हासिल किए गए प्रशिक्षण के अनुभवों को मुख्यमंत्री के समक्ष शेयर किया। इन युवाओं ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा आरंभ किए गए 'एडवेंचर-स्पोर्ट्स एंड होम-स्टे' कार्यक्रम की प्रशंसा की और युवा-हित में उठाया गया अहम कदम बताया।

'एडवेंचर-स्पोर्ट्स एंड होम-स्टे'

खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह ने 'एडवेंचर-स्पोर्ट्स एंड होम-स्टे' कार्यक्रम शुरू करने के पीछे मुख्यमंत्री मनोहर लाल की दूरदृष्टि बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं के लिए मनोरंजन के साथ-साथ रोज़गार का ज़रिया भी बनेगा। उन्होंने युवाओं को तरक्की का शार्टकट अपनाने की बजाए निरंतर परिश्रम करने पर बल दिया ताकि ज़िंदगी में स्थायित्व बना रहे। उन्होंने हरियाणा की खेल नीति को बेहतर एवं अनुकरणीय बताया और कहा कि अन्य राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी हमारे राज्य में खेलों के क्षेत्र में बढ़ते कदमों बारे जानकारी हासिल करने आ रहे हैं। विदेश सहयोग विभाग के प्रधान सचिव योगेंद्र चौधरी, ने 'एडवेंचर-स्पोर्ट्स एंड होम-स्टे' कार्यक्रम को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के अंत्योदय कन्सेप्ट का ही हिस्सा बताया और कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से मोरनी जैसे पहाड़ी क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिलेगा और वे अधिक सशक्त हो सकेंगे।

हरियाणा बनेगा एडवेंचर-स्पोर्ट्स का हब

खेल एवं युवा मामले विभाग के निदेशक पंकज नैन ने मोरनी क्षेत्र के युवाओं की 'एडवेंचर-स्पोर्ट्स एंड होम-स्टे' ट्रेनिंग-कैंप की विस्तार से जानकारी दी और उम्मीद जताई कि इस प्रकार से हरियाणा अन्य खेलों की भांति एडवेंचर-स्पोर्ट्स का भी हब बन सकेगा। एनजीओ 'होम-स्टे ऑफ इंडिया' द्वारा मोरनी क्षेत्र के युवा गौरव, निखिल व कनिका को इंटरप्रीन्योर का ऑफर-लैटर भी दिया गया।

-संवाद ब्यूरो

सेहत

ज्यादा सोचना भी है बीमारी

हमेशा फिजूल की बातें सोचते रहने की आदत कब बीमारी बन जाए, पता ही नहीं चलता। अगर आप भी हमेशा सोचते रहते हैं, तो आपको कुछ बातों पर गौर कर इसे दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। कोई भी बात जिससे आपको गुस्सा या दुःख पहुंचता हो, उस पर तुरंत प्रतिक्रिया करने से बचें। उसके बारे में ज्यादा न सोचें।

इन हालातों में घर से बाहर निकलें या तुरंत किसी और काम में अपना दिमाग लगा लें। साइकिल चलाने या बाहर यूं ही टहलने निकल जाएं। कुछ नई चीजों को सीखें और जब भी ऐसा हो उन्हीं चीजों को करें। इस तरह ये आपके दिमाग की मांसपेशियों को राहत देने में मदद करेगा।

अच्छे विषयों के बारे में सोचें

कभी कभार ऐसा होता है कि हम कुछ नया नहीं कर पा रहे हैं। इतना ही नहीं अपने भविष्य को लेकर शंका भी होने लगती है। ऐसे में अगर आप भी हमेशा ऐसा सोचते रहते हैं, तो अपने दिमाग की सोच की दिशा बदलते हुए अपने जीवन की उपलब्धियों पर ध्यान लगाना शुरू करें। एक पल के लिए सोचें कि आपने अपने जीवन में क्या क्या उपलब्धियां अर्जित की हैं। आपको जानकर आश्चर्य हो सकता है कि इस समय जो भी चीजें आपके मन को भटका रहे हैं, आप उससे अधिक मजबूत और सक्षम हैं।

दूसरों को माफ करें

आदमी गलती का पुतला है। छोटी मोटी गलतियां सभी से होती हैं। आपको इन गलतियों को भूलकर आगे बढ़ना चाहिए। पहले खुद सभी चीजों को आसान बनाकर देखें और गलतियां भूल जाएं। हां एक काम अवश्य करें। दूसरों की गलतियों को माफ करते हुए आगे बढ़ें। अपने दिमाग से खेलते रहेंगे और उन परिदृश्यों को दोहराते रहेंगे तो उनको कोई मतलब नहीं है। इसका असर आपके मानसिक स्वास्थ्य पर होगा।

सामाजिक दायरा बनाते चलें

मुनष्य एक सामाजिक प्राणी है। जीवन जितना महत्त्वपूर्ण है उसके लिए समाज भी उतना ही आवश्यक है। खुद को अकेले मत छोड़ें। जब भी लगे कि आप ज्यादा सोच रहे हैं, तो उस अकेली जगह को छोड़े और दोस्तों के बीच चलें जाएं। अपने परिवार और दोस्तों के पास जाएं और अपने मन की बात या जो भी परेशानी हो उनसे कह लें।

प्रकृति के साथ दोस्ती करें

मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग और ध्यान जरूरी है। जब आपको लगता है कि आप नियंत्रण से बाहर हो रहे हैं, तो किसी और के लिए कुछ अच्छा करें ताकि आप जीवन का एक नया दृष्टिकोण प्राप्त कर सकें। प्रकृति के समीप रहें। पेड़ पौधों व फूलों में रुचि लें। उनको निहारें। उनकी रचना पर गौर करें। उनकी मस्ती के साथ खुद मस्त होने का प्रयास करें। ये सब करेंगे तो ज्यादा सोचने की बीमारी से दूर रहेंगे।

'फसल अवशेष प्रबंधन योजना' के तहत कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए 80 प्रतिशत तथा व्यक्तिगत किसान को 50 प्रतिशत अनुदान की राशि उपलब्ध करवाई जाती है। प्रदेश में 6,755 कस्टम हायरिंग सेंटर चल रहे हैं।

कोविड वैक्सीनेशन मोबाइल वैन पंचकूला जिले के मोरनी हिल्स जैसे दूरदराज के क्षेत्र में वैक्सीनेशन के लिए उपयोग में लाई जाएगी। शहर की स्लम बस्तियों में वैक्सीनेशन के विशेष अभियान के तहत इस वैन का उपयोग किया जाएगा।

कुरुक्षेत्र का श्रीकृष्ण संग्रहालय

भगवान श्रीकृष्ण के जीनव का हर पहलू जीव जगत में एक नया आयाम जोड़ता है। मनुष्य व देवता दोनों रूपों को एक साथ धारण करने वाले श्रीकृष्ण जैसा व्यक्तित्व मानव सभ्यता के इतिहास में दुर्लभ है।

कुरुक्षेत्र स्थित श्रीकृष्ण संग्राहलय भगवान श्रीकृष्ण के जीवन को अभिव्यक्ति प्रदान करता है। श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों के प्रति लोगों को जागृत करने तथा कुरुक्षेत्र भूमि के इतिहास से अवगत कराने के लिए सन् 1987 में भारत रत्न श्री गुलजारीलाल नन्दा के प्रयासों से श्रीकृष्ण संग्रहालय की स्थापना हुई। कलाकारों की ओर से पारम्परिक व शास्त्रीय शैली में श्रीकृष्ण जीवन का चित्रण किया है।

प्रथम गैलरी- कृष्ण कथा पर आधारित इस गैलरी में विभिन्न कालों व शैलियों में काष्ठ, हाथीदांत व धातु पर बनी मूर्तियां है। जिसमें ओड़िशा, कर्नाटक, तमिलनाडु व आन्ध्र प्रदेश से प्राप्त काष्ठ मूर्तियां शिल्प का अनूठा नमूना है। काष्ठ कलाकृतियों में उड़ीसा से प्राप्त 18वीं-19वीं शती ई0 की शैली में निर्मित चार काष्ठ फलक हैं जो भगवान विष्णु के दशावतारों और श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को दिखाते हैं। गैलरी में आकर्षण का मुख्य बिंदू ओडिशा से प्राप्त हाथीदांत पर बनी कलाकृतियां है। जो उत्तर मुगल शैली 18वीं-19वीं शती ई0 में निर्मित अत्यंत मनोहारी लघुचित्र है।

द्वितीय गैलरी- इस गैलरी में मुख्य रूप से प्राचीन कुरुक्षेत्र भूमि व हरियाणा के ऐतिहासिक काल के पुरातात्विक स्थलों जैसे कुणाल, बनावली, राखीगढ़ी, भिरडाना, जोगनाखेड़ा, बालू, दौलतपुर आदि से प्राप्त पुरावशेषों को प्रदर्शित किया गया है। गैलरी के दूसरे कोने में श्रीकृष्ण की नगरी द्वारका गुजरात के समुद्र से मिले पुरावशेष दिखाए गए हैं। जिसमें समुद्र में डूबी प्राचीन द्वारका का पता चलता है। समुद्र के नीचे तथा समुद्र तट से उत्खनन में प्राप्त हुए पुरावशेष भी प्रदर्शित हैं, जिनमें ऐतिहासिक द्वारका के मृद्पात्र, शंख निर्मित चूड़ियां व एक मुहर प्रमुख हैं।

तृतीय गैलरी- गैलरी का मुख्य आकर्षण लघुचित्र, ताड़पत्र तथा भगवद्गीता, महाभारत तथा भागवत की पाण्डुलिपियां हैं। गैलरी में प्रदर्शित पाण्डुलिपियों में गुरुमुखी में लिपिबद्ध दुर्लाभ योग वशिष्ठ, फारसी में लिखित व चित्रित भागवत पुराण, फारसी लिपि, ब्रजभाषा में लिखा व चित्रित भागवत, संस्कृत में लिखी भगवद्गीता, महाभारत अश्वमेध पर्व व भागवत की 18वीं-19वीं ई0 शती की पाण्डुलिपि शामिल हैं। वहीं राजस्थानी व पहाड़ी लघुचित्र व गैलरी के बीच में बनी अष्टकोण दीवार, भागवत व महाभारत के प्रसंगों पर आधारित पट्टचित्र को दिखाया गया है। साथ ही गैलरी में 26 कांगड़ा लघुचित्रों का एक समूह है जिसमें श्रीमद्भगवदगीता के उपदेशों का और महाभारत युद्ध के कुछ प्रसंगों का सुन्दर चित्रण है।

चतुर्थ गैलरी- संग्रहालय की इस गैलरी में भीष्म-शरशय्या के प्रसंग को झांकी रुप में दिखाया गया है। वहीं देश के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित मणिपुर बसन्त रासलीला को भी दिखाया गया है जिसमें नृत्यरत गोपियां श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा और प्रेम प्रदर्शित करती प्रतीत होती हैं। यहां कर्नाटक की प्रसिद्ध यक्षगान शैली में अभिमन्यु वध की झांकी भी प्रदर्शित है।

पंचम गैलरी- इस गैलरी में भारत के विभिन्न भागों में बनने वाले भित्ति चित्रों का संग्रह है। जिसकी विषय वस्तु महाभारत एवं श्रीकृष्ण कथा है। गैलरी में दूसरा आकर्षण महाभारत कथा पर आधारित प्रसंगों का चित्रण है। जिन्हें देश के विभिन्न कलाकारों द्वारा चित्रित किया गया है।

छठवीं गैलरी- इस गैलरी में कृष्ण कथा पर आधारित झांकियां बनी हुई हैं। जो लोहे के ढांचे के उपर कागज की लुगदी पेपियर माशी व महीन मिट्टी के मिश्रण को लगाकर बनाई गई हैं। जिनमें नवजात कृष्ण को यमुना पार ले जाते हुए वासुदेव, माखन चोरी प्रसंग, कृष्ण बकासुर वध, गोवर्धन धारण करते हुए श्रीकृष्ण आदि अन्य अनेक प्रसोंगों का मनोहारी चित्रण है।

अन्तिम गैलरी मल्टीमीडिया महाभारत व गीता गैलरी, जिसकी शुरुआत जन्मजेय के नागयज्ञ से होती है। मल्टीमीडिया महाभारत गैलरी के प्रमुख प्रसंगों में भीष्म प्रतिज्ञा, कौरव पाण्डवों का गुरुकुल में अध्ययन, लाक्षागृह, द्रोपदी स्वयंवर, यक्ष-युधिष्ठिर संवाद, भीष्म शरशय्या से लेकर पाण्डवों के स्वर्गारोहण तक की प्रमुख घटनाओं का सजीव चित्रण है। इसी गैलरी में ग्यारह मिनट का गीता शो है जिसमें गीता के उपदेशों को सार रूप में प्रस्तुत किया गया है। गैलरी में च व्यूह की रचना दर्शकों का ज्ञानवर्धक व मंनोरजन करती हैं।

-संवाद ब्यूरो

सुण छबीले बोल रसीले

रोजगार नै लेकै बदल रहा माहौल

- रसीले, सरकार नै गामां के लेक्शन डिक्लेर करे नहीं सैं और गाम में रोज राजनीति होज्या सै।

- क्यूकर भाई छबीले?

-वो रमलू का छोरा रोज सांझ नै बालकां ताहीं पार्टी दे सै और सरपंच बणकै सोज्या सै।

- आच्छा रै, पर उसका इतणा ब्यौंत तो कोन्या, जो रोज पार्टी दे।

-बेरा ना के चक्कर सै। पर मेरा बटा मंड्या पड्या सै। कोई काम-धाम भी कोन्या करता दिखाई देता। गजब की बात तो यह सै अक जितणे उसकी गैल्यां दिखाई दे सैं, वे भी कुछ काम करते ना दिखाई देते।

- भाई पीणे वाले कितो न कितो जुगाड़ कर लिया करैं। और फेर दो घूंट पेट में जायें पाछै सरपंच भी बणज्या सैं, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी बणै सैं।

- रसीले, पीणे के बाद तो ओबामा भी बणज्या सैं। कदे रूस नै धमका दे सैं तो कदे चीन की बीन बजादें सैं। पायां में ढंग की चप्पल नहीं होती और मिसायलां की बात करण लागज्या सैं।

- हां भाई वे सरकार की नीतियां पै चर्चा भी करैं सैं। काल एक न्यू बोल्या यू 75 प्रतिशत आरक्षण ब्याह शादियां की जीमणवार में भी लागू होणा चाहिए। बोल्या- जिसकै भी ब्याह शादी हो सै गाम आल्यां का न्यौता जी तोड़कै दे सैं। सारी मिठाई और गोलगप्पे बाहर आले रिश्तेदार चट कर ज्या सैं।

- भाई रसीले, ये ठाली माणस सैं। काम करकै राजी कोन्या और बेरोजगारी पै भाषण देण लागज्यां सैं।

-हा छबीले, यो बात भी सै। ईब न्यू देख जिब धान की कटाई-झड़ाई हो, गेहूं की कटाई हो, तूड़े की लदाई हो, ईंख की बुआई हो, उसकी छोल करणी हो, बाग बगीचां की देखरेख करणी हो, और भी भतेरे काम सैं। कोई गाम का माणस काम करता ना दिखता। बहुत कम दिखै सैं, ज्यादातर दूसरे प्रदेशां तैं आए होए मजदूर काम करैं सैं। और सुण, गाम में कितोड़ भी किसे का मकान बणता हो या कोई सरकारी बिल्डिंग या पुल बणता हो, फैक्टरी बणती हो तो म्हारे गामां के माणस कोन्या दिखाई देते। सारे काम करणिये मजदूर बाहर के हो सैं। जो फैक्टरी चाल री उनमें भी कुछ इसाए माहौल सै।

-हां रसीले बेरा ना के बिजली पड़गी कोए काम करकै राजी कोन्या। सारे दिन ठाली रहकै होक्का बजाये जा सैं। और जो आज काल के बालक सैं वे मोबाइल में माथ्था मारे जा सैं।

-भाई ये कुछेक बालक सैं जो बेकार सैं, और आपणी जिंदगी बिरान करण लाग रे सैं। नहीं तो बहुत से बालक तो ईब इसे सैं जो पढ़ण में ध्यान दे रे सैं। ब्याह शादी कान्या इतणा ध्यान कोन्या जितणा कैरियर कान्या सै। और कामयाब भी होण लाग रे सैं। बडी-बडी पोस्टां पै नौकरी भी लागैं सैं। जिब तैं हरियाणा में यो सरकार आई सै जिब तैं निरे आईएएस, आईपीएस, एचसीएस, डाक्टर और इंजीनियर बणन लाग रे सैं। कुछ बरस पहल्यां जो रुतबा बिहार के बालकां का होया करता वो रुतबा आज देश विदेश में हरियाणे के छोरे और छोरियां का सै। यो बात मानिए, यो परंपरा और आगै बढ़ैगी। जो ये रोज रात नै सरपंच बणकै सोवैं सैं ना, ये कितोड़ के बी ना रहणे।

-चाल भाई छबीले खेत कान्या गेड़ा मारकै आवैंगे। रात नै बूंदाबांदी चोखी होगी थी।

-चाल पड़ूंगा, पर राह में खील्लू हलवाई के तैं एक बाल्लूशाही खुआणी पड़ैगी।

-आच्छा खसम खा लिए, इसी माड़ी बात के कर्या करैं, चाल दो बाल्लूशाही खा लिए।

-मनोज प्रभाकर

हम धूल उड़ाते जहां चले..

हम धूल उड़ाते जहां चले..
हम दीवानों की क्या हस्ती, आज
यहां कल वहां चले
मस्ती का आलम साथ चला, हम
धूल उड़ाते जहां चले
आए बनकर उल्लास कभी, आँसू
बनकर बह चले अभी
सब कहते ही रह गए, अरे तुम कैसे
आए, कहां चले
किस ओर चले? मत ये पूछो, बस
चलना है इसलिए चले
जग से उसका कुछ लिए चले, जग
को अपना कुछ दिए चले
दो बात कही, दो बात सुनी, कुछ
हँसे और फिर कुछ रोए
छक कर सुख-दुःख के घूंटों को,
हम एक भाव से पिए चले
हम भिखमंगों की दुनिया में,
स्वछन्द लुटाकर प्यार चले
हम एक निशानी उर पर, ले
असफलता का भार चले
हम मान रहित, अपमान रहित, जी
भर कर खुलकर खेल चुके
हम हँसते हँसते आज यहां, प्राणों
की बाजी हार चले
अब अपना और पराया क्या, आबाद
रहें रुकने वाले
हम स्वयं बंधे थे और स्वयं, हम
अपने बन्धन तोड़ चले।

- भगवती चरण वर्मा

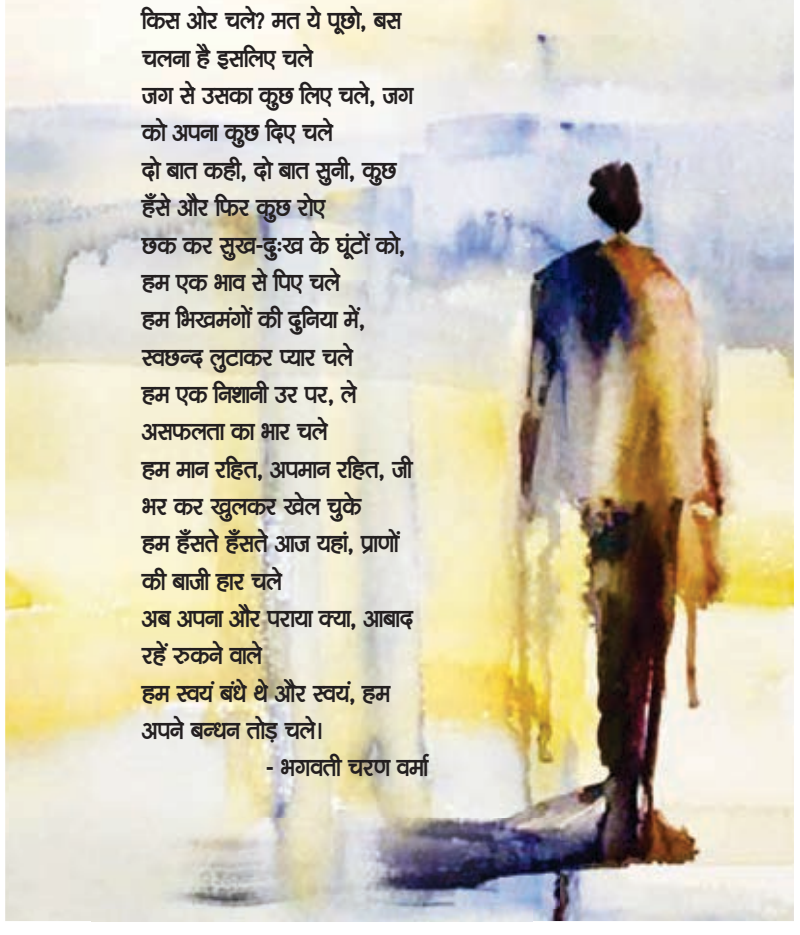

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com